15

0331CH15

भारत

आनंदमयी कविता

भारत तू है हमको प्यारा,
तू है सब देशों से न्यारा।
मुकुट हिमालय तेरा सुंदर,
धोता तेरे चरण समुंदर।
गंगा यमुना की हैं धारा,
जिनसे है पवित्र जग सारा।
अन्न, फूल, फल, जल हैं प्यारे,
तुझमें रत्न जवाहर न्यारे!
राम कृष्ण से अंतर्यामी,
तेरे सभी पुत्र हैं नामी।
हम सदैव तेरा गुण गाएँ,
सब विधि तेरा सुयश बढ़ाएँ।

– सोहन लाल द्विवेदी

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. अपने देश के विषय में आप क्या जानते हैं? बताइए।
2. अपने देश की प्रसिद्ध नदियों और पर्वतों के नाम बताइए।
3. राम और कृष्ण के विषय में आप क्या जानते हैं? बताइए।

सोचिए और लिखिए

1. भारत हमें क्यों प्यारा है?
2. हिमालय को सुंदर मुकुट क्यों कहा गया है?
3. आप अपने देश का यश कैसे बढ़ाएँगे?
4. हमारे देश के समान हमारे गाँव और नगर भी न्यारे-प्यारे हैं। आप अपने गाँव या नगर के विषय में सोचकर लिखिए।

कविता से

1. कविता के आधार पर पंक्तियाँ पूरी कीजिए—

भारत तू है हमको प्यारा

.....

गंगा यमुना की हैं धारा

.....

.....

हम सदैव तेरा गुण गाएँ

.....

धोता तेरे चरण समुंदर

.....

तुझमें रत्न जवाहर न्यारे

तेरे सभी पुत्र हैं नामी

.....

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 123 10-Apr-24 5:15:00 PM

शब्दों का खेल

1. कविता में आए समान ध्वनि वाले शब्दों की जोड़ी बनाइए—

प्यारा	..........न्यारा..........
सुंदर	....
न्यारे	....
बढ़ाएँ	....
धारा	....
अंतर्यामी	....

2. दिए गए समान ध्वनि वाले शब्दों की सहायता से कविता पूरी कीजिए—

महान   मान   फूल   अभिमान

देश की माटी, देश की धूल,
खिलते रंग-बिरंगे ....
अपने देश का है विशेष ....
मिलकर इसका रखें ....
जिसके हम गाएँ गुणगान
वह मेरा भारत ....

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 124 10-Apr-24 5:15:01 PM

खेल-खेल में खोजें

1. कविता में आए शब्दों पर घेरा लगाकर लिखिए—

सुं	द	र	व	भा
आ	ज	वा	ह	र
मु	कु	ट	फू	त
ह	सा	फ	ल	गं
धा	रा	म	गं	गा

भारत

..... , ...

..... , ...

..... , ...

..... , ...

समझिए और लिखिए

1. कुछ शब्दों के एक से अधिक अर्थ भी होते हैं। नीचे दिए गए शब्दों के दो सही अर्थ ढूँढ़कर लिखिए—

संसार जागना पानी जलना फल परिणाम

फल → ..... फल .....

फल → ..... परिणाम .....

जग → .....

जग → .....

जल → .....

जल → .....

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 125 10-Apr-24 5:15:02 PM

2. इन वाक्यों के अर्थ वाली पंक्तियाँ कविता से ढूँढ़कर लिखिए—

(क) भारत सब देशों से भिन्न है।

.....

(ख) गंगा यमुना से सारा संसार पवित्र है।

.....

(ग) हम सदैव तेरी प्रशंसा करें।

.....

(घ) हम देश का नाम ऊँचा करें।

.....

3. कविता में भारत के प्रसिद्ध व्यक्तियों के बारे में बताया गया है— "तेरे सभी पुत्र हैं नामी।" भारत के प्रसिद्ध पुत्र और पुत्रियों के नाम लिखिए—

पुत्रियाँ	पुत्र
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण-संकेत – भारत के लोकप्रिय व्यक्तित्वों के बारे में बच्चों को बताएँ और उनसे इस विषय पर बातचीत करें। बच्चों से उनके परिवेश में उपस्थित महत्वपूर्ण व्यक्तियों के बारे में पूछें और उनके बारे में बताने के लिए कहें कि वे क्यों विशेष हैं।

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 126 10-Apr-24 5:15:02 PM

4. कविता में 'रत्न' शब्द आया है। रत्न यानी मूल्यवान पत्थरों के छोटे से टुकड़े। आइए, कुछ रत्नों के नाम जानें—

हीरा मोती नीलम पन्ना मूँगा माणिक

कला की कलाकारियाँ

1. रंग-बिरंगे कागज़ और कैंची की सहायता से अपने लिए एक मुकुट बनाइए—

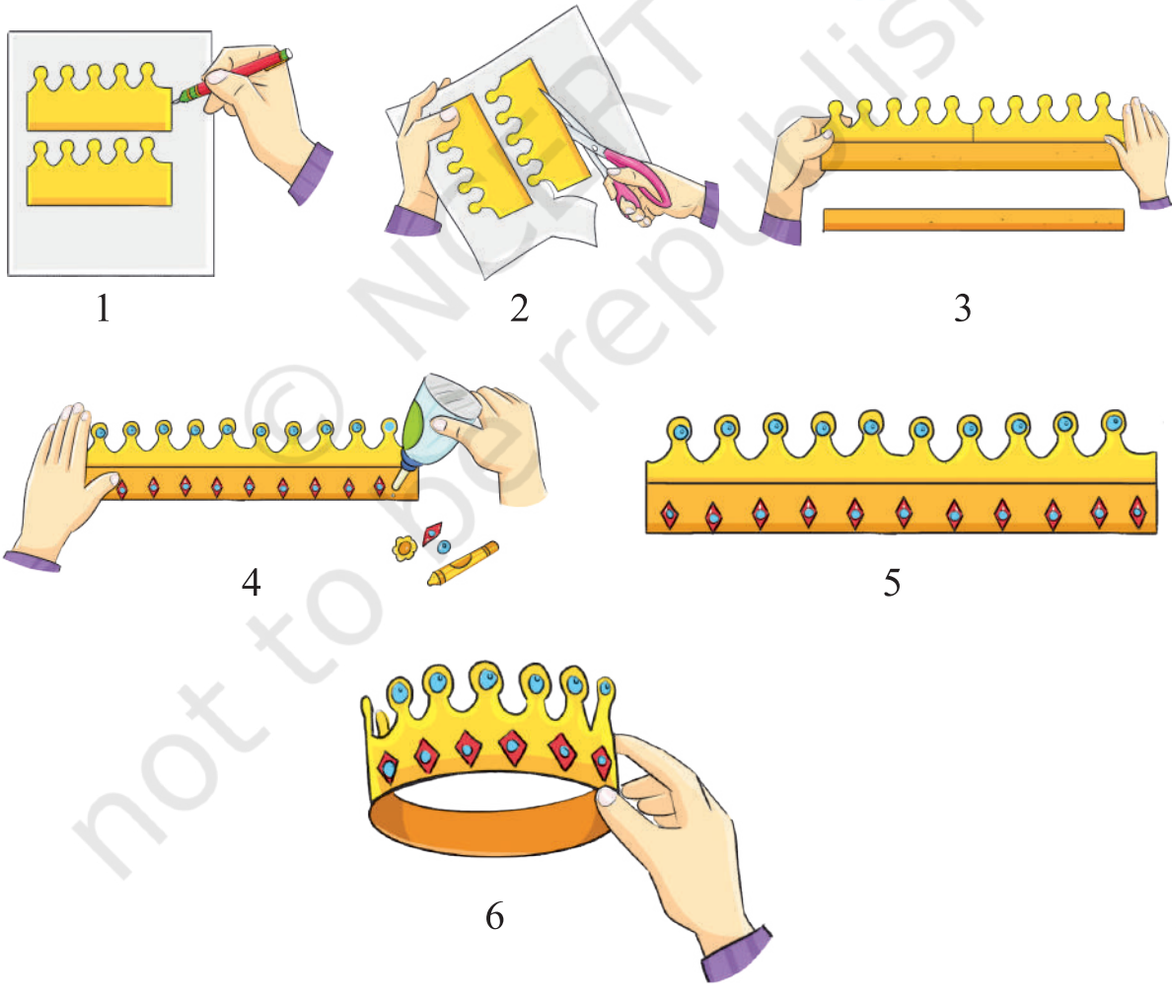

1 2 3

4 5

6

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 127 10-Apr-24 5:15:04 PM

2. भारत का राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) बनाकर उसमें रंग भरिए—

बूझो तो जानें

उत्तर में रखवाली करता,
खड़ा रहता है सदा ही मौन।
बोलो भैया, बोलो बहना,
भारत का वह रक्षक कौन?

दो आँखों के ऊपर आँखें,
आँखों में से आँखें झाँकें।

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 128 10-Apr-24 5:15:05 PM

16

0331CH16

चंद्रयान (संवाद)

सुनें कहानी

(कक्षा में अध्यापिका का आगमन और सभी बच्चों का अभिवादन।)

सभी विद्यार्थी – सुप्रभात अध्यापिका जी!

अध्यापिका – सुप्रभात बच्चो! आज हम चाँद के बारे में कुछ बातचीत करते हैं। आप सबने चाँद देखा है न! आपने चाँद की बहुत-सी कविताएँ भी गाई हैं।

सभी विद्यार्थी– जी हाँ... हमने चाँद देखा है। चाँद कभी दिखाई देता है और कभी नहीं भी दिखता।

अध्यापिका – अच्छा! ऐसा क्यों होता है कि चाँद कभी दिखता है और कभी नहीं दिखता?

एक विद्यार्थी – अध्यापिका जी! चाँद का मन है, वह दिखे न दिखे।

दूसरी विद्यार्थी – वह बादलों के साथ छुपन-छुपाई खेलता होगा।

तीसरी विद्यार्थी – मेरा तो बहुत मन करता है कि मैं चाँद पर जाऊँ।

अध्यापिका – क्या हम चाँद पर जा सकते हैं?

सभी विद्यार्थी – जी हाँ...!

© NCERT not to be republished

अध्यापिका – कैसे?

सभी विद्यार्थी – रॉकेट से...

अध्यापिका – ठीक है! अब यह बताओ कि क्या कोई रॉकेट अभी तक चाँद पर गया है?

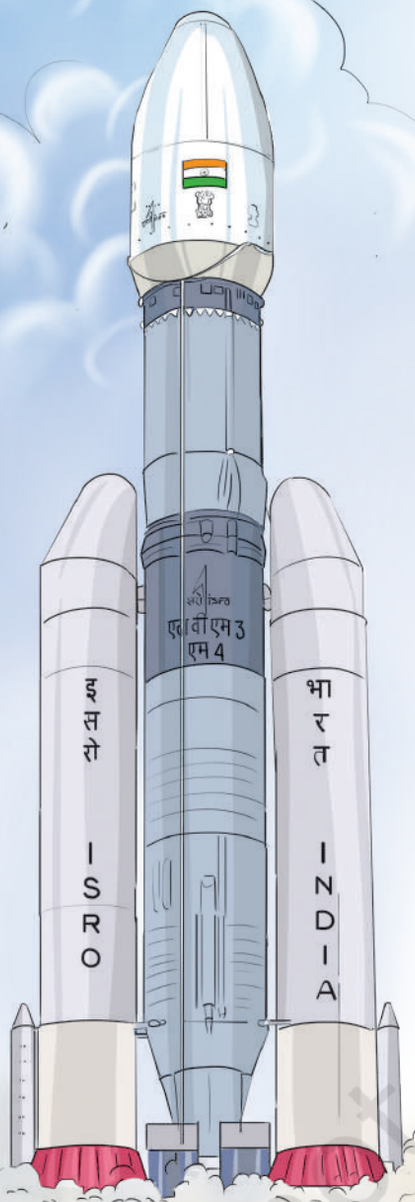

सभी विद्यार्थी – हाँ... हाँ! गया है। एक नहीं... कई गए हैं।

अध्यापिका – अच्छा! कौन-सा रॉकेट?

सभी विद्यार्थी – चंद्रयान 1, 2, 3!

अध्यापिका – शाबाश! आपको चंद्रयानों के बारे में तो पता है। हमारे वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-3 को चाँद के दक्षिणी ध्रुव पर उतारा है। ऐसा करने वाला भारत पहला देश है। है न हम सबके लिए गौरव की बात!

एक विद्यार्थी – यह दक्षिणी ध्रुव क्या है?

अध्यापिका – जैसे दक्षिण दिशा में धरती का दक्षिणी ध्रुव है, वैसे ही चंद्रमा का भी दक्षिणी ध्रुव है। कठिन परिस्थिति के कारण वहाँ कोई भी यान उतारना मुश्किल है। पर हमारे वैज्ञानिकों ने यह गौरवपूर्ण कार्य कर लिया है। आज की हमारी बातचीत इसी चंद्रयान के बारे में है। हमारे देश के वैज्ञानिक चाँद पर रॉकेट भेजकर यह पता लगाने का प्रयत्न कर रहे हैं कि चाँद पर क्या-क्या है?

कुछ विद्यार्थी – हमारा भी मन करता है कि हम भी चाँद पर जाकर वहाँ के बारे में जानें।

अध्यापिका – हाँ... हाँ, क्यों नहीं! अच्छा यह बताएँ कि वैज्ञानिकों को चाँद पर क्या-क्या मिला होगा?

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 130 10-Apr-24 5:15:07 PM

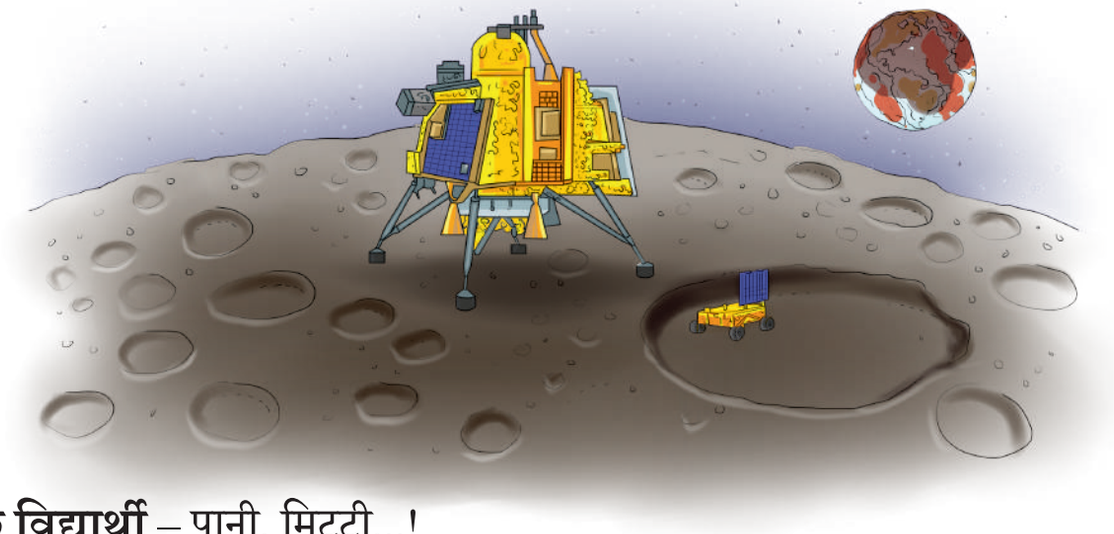

कुछ विद्यार्थी – पानी, मिट्टी,...!

अध्यापिका – एकदम सही! आप तो बहुत कुछ जानते हैं। आपको तो पता ही है कि चाँद धरती से बहुत दूर है। इसलिए वैज्ञानिकों ने चाँद पर एक रॉकेट भेजा और जानने का प्रयास किया कि वहाँ क्या-क्या है? उन्होंने इसे 'चंद्रयान मिशन' नाम दिया। 'चंद्रयान' ने चाँद के चारों ओर चक्कर लगाया और यह पता लगाया कि चाँद पर पानी है।

एक विद्यार्थी – वैज्ञानिकों को इतनी दूर जाकर पानी का पता लगाने की क्या आवश्यकता थी? हमारे घर के आस-पास पानी से भरे तीन-चार पोखर हैं।

एक अन्य विद्यार्थी – वे पानी लेने नहीं, वे तो चाँद के रहस्यों का पता लगाने गए थे।

अध्यापिका – हाँ, बिलकुल ठीक कहा। एक रहस्य जानने के बाद वैज्ञानिकों की जिज्ञासा और बढ़ी। उन्होंने फिर से रॉकेट भेजने की योजना बनाई और उन्होंने दूसरा रॉकेट भेजा और इसे 'चंद्रयान-2' का नाम दिया; पर यह कुछ खराबी के कारण चाँद पर उतर नहीं पाया। वैज्ञानिकों ने हार नहीं मानी। वे फिर से अपने कार्य में जुट गए... और उनका परिश्रम रंग लाया। इस बार चंद्रयान-3 चाँद पर पहुँच गया। आप सबने टीवी पर देखा होगा।

एक विद्यार्थी – मैं टीवी पर तो नहीं देख पाई थी, पर मैंने रेडियो पर सुना था।

एक अन्य विद्यार्थी – और प्रधानाध्यापिका ने भी तो सुनाया था।

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 131 10-Apr-24 5:15:08 PM

अध्यापिका – तो देखा आपने, अपने देश के वैज्ञानिकों के परिश्रम का फल!

एक विद्यार्थी – अब चाँद पर क्या चल रहा है?

अध्यापिका – बहुत अच्छा प्रश्न, शाबाश! आपको पता है जो मशीन चाँद पर उतरी है, उसका नाम 'विक्रम लैंडर' है। यह लैंडर अपने साथ एक अन्य मशीन लेकर गया है जिसका नाम 'प्रज्ञान' है। यही प्रज्ञान चाँद पर घूम-घूमकर यह पता लगा रहा है कि चाँद की मिट्टी पृथ्वी जैसी है या नहीं; चाँद पर रहना संभव है या नहीं...

एक विद्यार्थी – यह तो हमें पता ही नहीं था! (आश्चर्य से)

अध्यापिका – तो देखा आपने, लगातार प्रयास करने से कठिन से कठिन काम भी सफल होता है।

विद्यार्थी – हम सब वो चंदा वाला गाना गाएँ?

अध्यापिका – आओ! सब मिलकर गाते हैं।

"चंदा के गाँव में, तारों की छाँव में,
हम सैर करने जाएँगे, हम सैर करने जाएँगे।
हम कैसे जाएँगे? हम कैसे जाएँगे?
हम चंद्रयान से जाएँगे, हम चंद्रयान से जाएँगे।"

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 132 10-Apr-24 5:15:09 PM

बातचीत के लिए

1. आप आकाश में सूरज, चाँद, तारे एवं बहुत कुछ और भी देखते हैं। चाँद से जुड़ा अपना कोई अनुभव, कोई रोचक बात या कोई कविता सुनाइए।
2. आपने कक्षा दो की अपनी पाठ्यपुस्तक *सारंगी 2* में चाँद के बारे में पढ़ा है न! कुछ याद करके सुनाइए कि क्या पढ़ा था?
3. आपको कुछ ऐसे त्योहारों के बारे में अवश्य पता होगा जिनका चाँद के दिखने से बहुत गहरा संबंध है। याद करके बताइए कि वे कौन-से त्योहार हैं?
4. आपने चंद्रयान के बारे में जो कुछ सुना, पढ़ा या देखा है, बताइए।

सोचिए और लिखिए

1. यह पाठ अध्यापिका और विद्यार्थियों के बीच एक संवाद है। यह संवाद किस विषय पर है?

.....

.....

2. दिए गए प्रश्नों के उचित विकल्प का चयन कर सही {✓} का चिह्न लगाइए—

(i) चाँद पर जाने के लिए किस वाहन का प्रयोग किया जाता है?

(क) रॉकेट

(ख) बस

(ग) हवाई जहाज

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 133 10-Apr-24 5:15:09 PM

(ii) अभी हाल ही में चाँद पर सफलतापूर्वक उतरने वाले यान का क्या नाम है?

(क) चंद्रयान-1

(ख) चंद्रयान-3

(ग) चंद्रयान-2

(iii) वैज्ञानिक चाँद पर क्यों जाना चाहते हैं?

(क) वैज्ञानिक समूची धरती घूम चुके हैं।

(ख) वैज्ञानिक चाँद के बारे में जानना चाहते हैं।

(ग) वैज्ञानिक चाँद पर कविता लिखना चाहते हैं।

(iv) चंद्रयान-2 के विषय में कौन-सी बात सही है?

(क) चंद्रयान-2 चाँद की सतह पर नहीं उतर पाया।

(ख) चंद्रयान-2 चाँद के चारों ओर चक्कर नहीं लगा पाया।

(ग) चंद्रयान-2 चाँद पर जाने के लिए नहीं बनाया गया था।

3. कल्पना कीजिए कि आपको चाँद पर भेजा जा रहा है, आप—

(क) अपने साथ किसे ले जाना चाहेंगे और क्यों?

(ख) चाँद पर जाने से पहले किस तरह की व्यवस्था करेंगे?

4. 'यान' जोड़कर शब्द बनाइए—

चंद्र – .....

वायु – .....

जल – .....

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 134 10-Apr-24 5:15:10 PM

5. आपका अवलोकन और चाँद का आकार—

(i) रात्रि को लगभग 10 मिनट के लिए अपने घर के किसी बड़े सदस्य के साथ, पंद्रह दिनों तक आकाश में चाँद को देखिए। अपनी दैनिकी में चाँद के आकार को लेकर अपना अवलोकन लिखिए। अपने अवलोकन के आधार पर चाँद के बढ़ते-घटते आकार का चित्र बनाइए।

(ii) आपने अपने घर के बड़ों या फिर सहपाठियों से 'अमावस्या' और 'पूर्णिमा' के बारे में सुना होगा। ईद के त्योहार को भी चाँद दिखने पर मनाया जाता है। पता लगाइए कि इन दिनों में चाँद का आकार कैसा होता है?

.....

.....

.....

6. यदि चंद्रयान-3 से जुड़े वैज्ञानिक आपके विद्यालय में आएँ तो आप उनसे कौन-से प्रश्न पूछना चाहेंगे? कोई तीन प्रश्न लिखिए—

.....

.....

.....

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 135 10-Apr-24 5:15:10 PM

7. चाँद! तुम्हारे कितने नाम?

चाँद को बहुत से बच्चे चंदा मामा कहकर बुलाते हैं। कुछ लोग चंद्रमा भी कहते हैं। चाँद के कुछ और नामों का पता लगाइए और दिए गए स्थान में लिखिए—

भाषा की बात

1. "अब चंद्रयान-3 चाँद पर घूम-घूमकर पता लगा रहा है..."

ऊपर लिखे वाक्य में 'घूम-घूमकर' शब्द पर ध्यान दें। हम अपनी बातचीत में कभी-कभी एक शब्द को दो बार कहते हैं। इस तरह के कुछ और शब्द बनाइए और दिए गए स्थान में लिखिए—

हँस-हँसकर

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 136 10-Apr-24 5:15:10 PM

2. नीचे दिए गए वाक्यों के लिए सही शब्द छाँटकर लिखिए—

कृषक सैनिक शिक्षक चिकित्सक वैज्ञानिक

(क) विज्ञान की नई खोज करने वाले ……

(ख) देश की रक्षा करने वाले ……

(ग) शिक्षा देने वाले ……

(घ) रोग की चिकित्सा करने वाले ……

(ङ) खेतों में अन्न उगाने वाले ……

समझिए और लिखिए

सही शब्द लिखकर वाक्य पूरा कीजिए—

(क) लगातार परिश्रम करने से कठिन काम भी …… हो जाता है।

(ख) चंद्रयान-2 की असफलता पर वैज्ञानिक निराश थे, लेकिन चंद्रयान-3 की …… पर सभी प्रसन्न हुए।

(ग) आप तो बहुत कुछ जानते हैं, लेकिन मैं …… नहीं जानता।

(घ) चाँद बादलों के साथ छुपन-छुपाई खेलता होगा। कभी बादलों से झाँककर दिखाई देता तो कभी …… जाता।

कुछ बनाइए

पुराने समाचार पत्रों से चंद्रयान मिशन से जुड़े समाचार और चित्र काटकर पुस्तिका में चिपकाएँ। इस तरह से एक चित्र पुस्तिका तैयार करें।

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 137 10-Apr-24 5:15:10 PM

17

0331CH17

बोलने वाली माँद

सुनें कहानी

एक जंगल में खरनखर नाम का एक सिंह रहता था। एक दिन उसे बहुत भूख लगी। वह आहार की खोज में पूरे जंगल में घूमता रहा, पर एक चूहा तक हाथ नहीं लगा। इस खोज में ही शाम हो गई। अँधेरा हो रहा था। इसी समय उसे एक माँद दिखाई दी। रात काटने के लिए वह उसी में घुस गया।

उस माँद में घुसकर उसने सोचा, इसमें कोई न कोई पशु तो रहता ही होगा। जब वह विश्राम करने के लिए इसमें घुसेगा, मैं उसे दबोच लूँगा। यह सोचकर वह उस माँद में एक ओर छिपकर बैठ गया।

© NCERT not to be republished

उस माँद में दधिपुच्छ नाम का एक सियार रहा करता था। वह माँद की ओर आ रहा था। माँद के द्वार पर आकर उसने देखा तो उसे सिंह के पैरों के चिह्न दिखाई दिए। चिह्न माँद की ओर जाने के लिए तो थे, पर लौटने के नहीं थे। उसने सोचा, हे भगवान! आज तो मेरी जान पर ही आ बनी। इसके भीतर अवश्य कोई सिंह घुसा बैठा है। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। वह पता करना चाहता था कि सिंह इस समय भी माँद के भीतर ही है या बाहर निकल गया है।

सोचने से क्या नहीं हो सकता। सोचते-सोचते उसे एक उपाय सूझ ही गया। माँद के द्वार पर जाकर उसने पुकारा, "ऐ मेरी माँद, ऐ मेरी माँद।" पुकारकर वह चुप हो गया। कुछ देर बाद उसने कहा, "अरे, तुझे हो क्या गया है! आज बोलती क्यों नहीं? पहले तो जब मैं तुझे पुकारता था, तू झट बोल पड़ती थी। क्या तू यह भूल गई कि मैंने तुझसे कहा था कि मैं जब भी बाहर से आऊँगा, तब तुझे पुकारूँगा और जब तू उत्तर देगी, उसके बाद ही मैं माँद के भीतर आऊँगा! यदि तूने इस बार भी उत्तर न दिया तो मैं तुझे छोड़कर किसी दूसरी माँद में चला जाऊँगा।"

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 139 10-Apr-24 5:15:12 PM

अब सिंह को विश्वास हो गया कि सियार के पुकारने पर यह माँद सचमुच उत्तर दिया करती है। उसने सोचा, आज मैं आ गया हूँ, इसलिए डर के मारे इसके मुँह से ध्वनि नहीं निकल रही है। उसने सोचा, यह माँद नहीं बोलती है तो कोई बात नहीं। इसके स्थान पर मैं ही उत्तर दे देता हूँ। यदि चुप रहा तो हाथ आया शिकार भी चला जाएगा। यह सोचकर सिंह ने उसका उत्तर दे दिया। उसकी दहाड़ से वह माँद तो गूँज ही उठी, आस-पास के पशु भी चौकन्ने हो गए।

सियार वहाँ से यही कहते हुए चंपत हो गया कि इस वन में रहते हुए मैं बूढ़ा हो गया, पर आज तक कभी किसी माँद को बोलते हुए नहीं सुना।

– भगवान सिंह

(नेशनल बुक ट्रस्ट से प्रकाशित 'पंचतंत्र की कहानियाँ' से साभार)

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 140 10-Apr-24 5:15:14 PM

बातचीत के लिए

1. आपको भूख लगती है तो आप क्या-क्या खाने की कामना करते हैं?
2. क्या आपने किसी पशु के पैर के चिह्न देखे हैं? किस-किस पशु के देखे हैं?
3. सिंह माँद यानी गुफा में रहता है। माँद में कौन-कौन से जानवर रहते हैं?
4. कठिन समय में बुद्धि अधिक काम आती है या शक्ति ?

सोचिए और लिखिए

1. दधिपुच्छ ने कैसे जाना कि माँद में खरनखर बैठा है?
2. इस कहानी में सिंह का नाम खरनखर है और सियार का नाम दधिपुच्छ, आप इनके क्या नाम रखेंगे?
3. यदि आप सिंह के स्थान पर होते तो क्या करते?
4. जब सियार ने पुकारा, "ऐ मेरी माँद, ऐ मेरी माँद", तब सिंह ने उत्तर दिया। सिंह ने उत्तर में क्या कहा होगा?

शब्दों का खेल

1. कहानी में 'माँद' शब्द कितनी बार आया है?

2. कहानी में आए चंद्रबिंदु (ँ) वाले शब्द छाँटकर लिखिए—

....

....

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 141 10-Apr-24 5:15:14 PM

3. समान अर्थ वाले शब्दों की जोड़ी बनाकर लिखिए—

शेर गुफा जंगल द्वार माँद दरवाजा सिंह वन

शेर सिंह	

4. नीचे लिखे शब्दों की सहायता से वाक्य पूरा कीजिए—

नदी पहाड़ झरना पेड़ गुफा
माँद तितली हवा बादल जाल

भूल गई

उदाहरण – माँद! क्या तू भूल गई?

……! क्या तू भूल गई?

……! क्या तू भूल गई?

……! क्या तू भूल गई?

……! क्या तू भूल गई?

भूल गया

उदाहरण – जाल! क्या तू भूल गया?

……! क्या तू भूल गया?

……! क्या तू भूल गया?

……! क्या तू भूल गया?

……! क्या तू भूल गया?

शिक्षण-संकेत – हिंदी भाषा में स्त्रीलिंग और पुल्लिंग शब्दों के बीच का अंतर स्पष्ट करते हुए बच्चों के समक्ष सरल उदाहरण रखें। बाद में बच्चों को स्वयं इनका प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित कर सहायता करें।

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 142 10-Apr-24 5:15:15 PM

5. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए—

बाहर चुप जवान सचमुच याद उजाला

उदाहरण – अँधेरा हो रहा था, उजाला हो रहा था।

(क) सिंह इस समय भी माँद के भीतर है या ..... निकल गया।

(ख) आज बोलती क्यों नहीं? ..... क्यों है?

(ग) मैं बूढ़ा हो गया हूँ। पहले तो मैं ..... था।

(घ) यह माँद झूठ-मूठ ही जवाब देती है या फिर ..... बोलती है।

6. सही अर्थ की जोड़ी बनाइए—

(क) एक चूहा तक हाथ नहीं लगा	• बड़े संकट में फँस गया
(ख) मेरी जान पर ही आ जाती	• भाग गया
(ग) सियार वहाँ से चंपत हो गया	• कोई शिकार नहीं मिला

7. अपने मन से वाक्य बनाइए—

उदाहरण – यदि चुप रहा तो ..... हाथ आया शिकार भी चला जाएगा। .....

(क) यदि बोला तो .....

(ख) यदि अधिक वर्षा हुई तो .....

(ग) यदि कड़ी धूप हुई तो .....

(घ) यदि अँधेरा हुआ तो .....

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 143 10-Apr-24 5:15:15 PM

कला की कलाकारियाँ

1. यहाँ सिंह व सियार का मुखौटा दिया गया है। आप दोनों में से अपनी रुचि के अनुसार मुखौटा बनाइए—

सिंह का मुखौटा

सिंह के मुँह की आकृति बनाइए

रंग भरिए

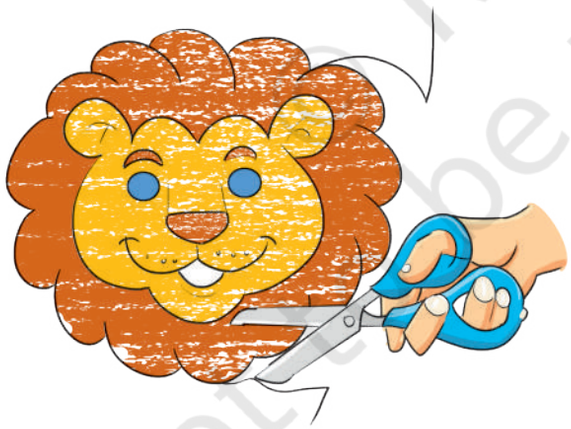

अब बाहरी रेखा से काट लीजिए

दोनों किनारों पर छेद कीजिए और धागा बाँधिए

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 144 10-Apr-24 5:15:16 PM

सियार का मुखौटा

1

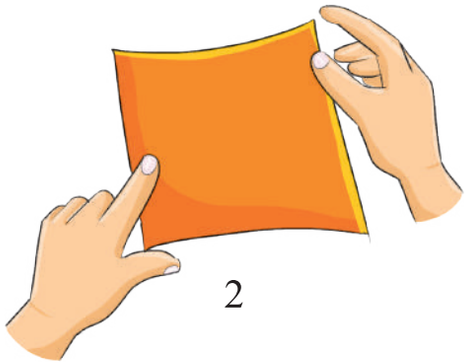

2

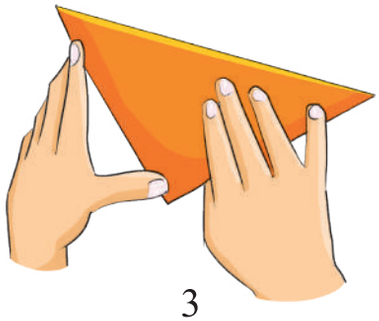

3

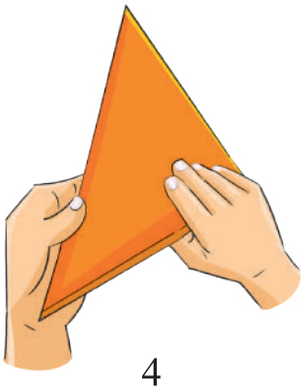

4

5

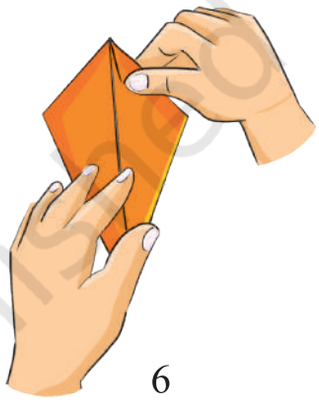

6

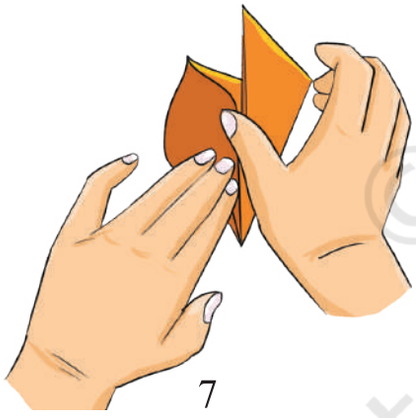

7

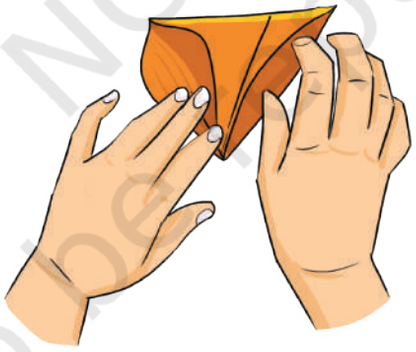

8

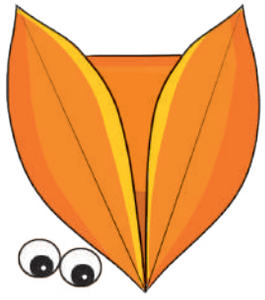

9

10

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 145 10-Apr-24 5:15:17 PM

2. क्या आपने किसी पशु के पदचिह्न देखे हैं? अपने आस-पास किसी पशु के पदचिह्न खोजिए और यहाँ उसका नाम लिखिए। दिए गए स्थान पर उसका चित्र बनाइए।

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 146 10-Apr-24 5:15:17 PM

18

0331CH18

हम अनेक किंतु एक

आनंदमयी कविता

हैं कई प्रदेश के,
किंतु एक देश के,
विविध रूप-रंग हैं,
भारत के अंग हैं।
भारतीय वेश एक
हम अनेक किंतु एक।

बोलियाँ हजार हैं,
टोलियाँ हजार हैं,
कंठ भी अनेक हैं,
राग भी अनेक हैं,
किंतु गीत-बोल एक
हम अनेक किंतु एक।

एक मातृभूमि है,
एक पितृभूमि है,
एक भारतीय हम
चल रहे मिला कदम,
लक्ष्य के समक्ष एक
हम अनेक किंतु एक।

–द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. आप किस देश में रहते हैं? आपका प्रदेश कौन-सा है?
2. आपके घर में कौन-सी भाषा बोली जाती है?
3. आपके घर के आस-पास के लोग कौन-सी भाषा बोलते हैं?
4. सभी प्रदेश अलग हैं, लेकिन सबका देश एक है। आपके मित्रों की टोली में कौन-कौन हैं?

सोचिए और लिखिए

1. 'हम अनेक हैं किंतु एक हैं', उदाहरण देकर इस बात को समझाइए।
2. कविता में भारत के विविध रूप-रंग के बारे में बताया गया है। विविध रूप-रंग का क्या अर्थ है?
3. 'चल रहे मिला कदम' इस पंक्ति में किनके कदम मिलाकर चलने की बात कही गई है?

शब्दों का खेल

1. कविता से समान ध्वनि वाले शब्द छाँटकर लिखिए—

प्रदेश ..... , ... हम ..... , ...

रंग ..... , ... बोलियाँ ..... , ...

2. समान ध्वनि वाले कुछ शब्द अपने मन से लिखिए—

बोली ..... , ... , ... , ...

एक ..... , ... , ... , ...

राग ..... , ... , ... , ...

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 148 10-Apr-24 5:15:18 PM

3. भूमि शब्द जोड़कर नए शब्द बनाइए—

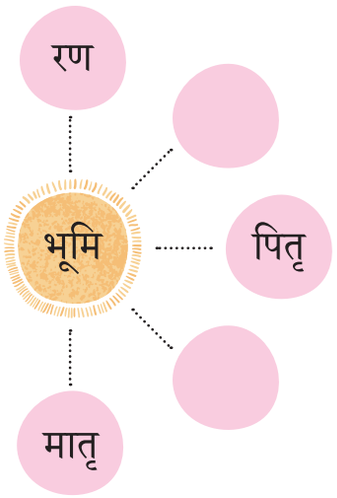

.....

.....

.....

.....

.....

समझिए और लिखिए

1. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए—

हैं कई प्रदेश के,
.....,
विविध रूप-रंग हैं,
.....,
.....,
हम अनेक किंतु एक।

बोलियाँ हजार हैं,
.....,
.....,
राग भी अनेक हैं।
.....,
हम अनेक किंतु एक।

एक मातृभूमि है,
.....,
.....,
चल रहे मिला कदम,
लक्ष्य के समक्ष एक
.....।

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 149 10-Apr-24 5:15:18 PM

2. सही अर्थ की जोड़ी बनाकर लिखिए—

कंठ	वेश-भूषा	.....
पहनावा	सामने	.....
विविध	गला	.....
समक्ष	कई प्रकार के	.....

3. सही अर्थ वाले वाक्य पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) 'भारतीय वेश एक' का अर्थ है—

- सभी भारतीयों का एक ही पहनावा है। ☐
- भारत में अनेक प्रकार की वेश-भूषा है, लेकिन सभी भारतीय एक हैं। ☐

(ख) 'बोलियाँ हजार हैं' में हजार का अर्थ है—

- बहुत सारी बोलियाँ हैं। ☐
- हजार बोलियाँ हैं। ☐

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 150 10-Apr-24 5:15:18 PM

पढ़िए और जानिए

मेरा नाम अथोइबी है। मैं मणिपुर में रहती हूँ। मुझे खाने में एरोम्बा बहुत पसंद है।

मेरा नाम गुरप्रीत है। मैं अमृतसर का रहने वाला हूँ। मैं बोल नहीं सकता। मैं संकेत भाषा में बात करता हूँ। खाने में मुझे मक्के की रोटी और सरसों का साग पसंद है।

मेरा नाम पूर्वा है। मैं महाराष्ट्र की रहने वाली हूँ। मैं मराठी भाषा बोलती हूँ। खाने में मुझे पूरणपोली पसंद है।

मेरा नाम वेंकट है। मैं तमिलनाडु का रहने वाला हूँ। मैं तमिल भाषा बोलता हूँ। खाने में मुझे इडली सांभर पसंद है।

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 151 10-Apr-24 5:15:19 PM

चित्र आधारित प्रश्न

- मणिपुर की अथोइबी को खाने में क्या पसंद है?

  .....

- महाराष्ट्र की पूर्वा कौन-सी भाषा बोलती है?

  .....

- तमिलनाडु के वेंकट को खाने में क्या पसंद है?

  .....

- गुजरात की हंसा को कौन-सा नृत्य पसंद है?

  .....

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 152 10-Apr-24 5:15:20 PM

पता कीजिए

आप अपने प्रदेश के आस-पास के तीन-चार प्रदेशों की भाषा, खान-पान, वेश-भूषा, तीज-त्योहारों के बारे में पता कीजिए और साथियों के साथ चर्चा कीजिए।

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 153 10-Apr-24 5:15:21 PM

(पढ़ने के लिए)

मिलकर गाइए

हिंद देश के निवासी

हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं,
रंग, रूप, वेश, भाषा चाहे अनेक हैं।

बेला, गुलाब, जूही, चंपा, चमेली,
प्यारे-प्यारे फूल गूँथे माला में एक हैं।

कोयल की कूक प्यारी, पपीहे की टेर प्यारी,
गा रही तराना बुलबुल, राग मगर एक है।

गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, कृष्णा, कावेरी,
जाके मिलीं सागर में, हुईं सब एक हैं।

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 154 10-Apr-24 5:15:22 PM